technology of equipments used in post and mail offices, provision of speedier delivery of mails through the Speed Post network, etc. The following improvements have been made during the year 1993-94.

15 post offices were opened, 14 post office buildings were constructed in the State. 10 staff quarters were constructed. Apart from the above, 141 P.C based computer machines are being installed in the State.

Rajdhani Channel, Metro Channel, Green Channel and Business Channel have been introduced for faster mail flow. One foreign post counter has been opened in Surat.

(b) and (c) In 1992-93 and 1993-94. the Circile earned revenue of Rs. 66.51 crores and Rs. 65.33 crores respectively. The amount incurred in running the service during the same period comes to Rs. 100.32 crores and Rs. 108.29 crores respectively. However no seperate details of revenue and expenditure with regard to provision of the postal services to the State Government are maintained.

While the postal revenue in the state of Gujarat for the year 92-93 and 93-94 is higher than some of other States, no real comparison can be made because the revenue depends on the area of the State, its population, the state of industrial and agricultural development, the nature of postal business in that area.

(d) Government has decided to set up during 1994-95 new post offices, subject to fulfilment of prescribed norms as per the details given below:—

Branch Post offices	Total Departmental sub offices
Tribal Areas—1 Other Areas—3	Tribal Areas—3 Other Areas—7

(e) and (f) All villages, with or without post office, are provided with delivery of mail through the nearest post office. Post Offices are opened in rural areas as per norms, subject to availability of resources and Plan Targets. The norms are as follows:—

	Normal area	Hilly, tribal desert and inaccessible areas
Population	3000	1000
Distance from the nearest post office	3 Kms.	3 Kms.
Income to cost.	33-1./3%	15%

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में दूरसंचार सुविधाएं

2643. **चौधरी हरमोहन सिंह:**
श्री ईश्वर दास चावला:

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों में दूरसंचार सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कोई प्रस्ताव हुआ है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम): (क) जी हां। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों के रूप में सूचित किए गए 99 नगरों में दूरसंचार सुविधाएं उपलब्ध करायी जानी हैं।

(ख) विस्तृत जानकारी अनुबंध में दी गई है। [देखिए परिशिष्ट 171, अनुपत्र संख्या 45]

(ग) दूरसंचार विभाग ने उ० प्र० राज्य सरकार द्वारा बताये गये 99 स्थानों में से 93 स्थानों पर दूरसंचार सेवाएं उपलब्ध करा दी हैं। विस्तृत जानकारी अनुबंध में दी गई है। [देखिए परिशिष्ट 171, अनुपत्र संख्या 45]

शेष 6 औद्योगिक क्षेत्रों को आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान दूरसंचार सुविधाएं उपलब्ध करा दी जायेंगी। विस्तृत जानकारी विवरण में दी गई है।

[देखिए अतारांकित प्रश्न संख्या 2643 (ख) और (ग), जिसका उत्तर दिनांक 16 अगस्त, 1994 को दिया गया।]

विवरण

औद्योगिक केन्द्र जहां नये एक्सचेंज खोले जाने हैं

1. पट्टी कलां जिला रामपुर, 64 पी एमआईएलटी/128 पी सी- डॉट	96-97
2. पीपलसाना जिला नैनीताल, 64 पी एमआईएलटी/128 पी सी-डॉट	96-97
3. बिसुन्दी जिला सुल्तानपुर -वही-	-वही-
4. कौहन -वही- -वही-	-वही-
5. बंधारा जिला शाहजहांपुर 128 पी सी-डॉट	-वही-
6. शक्ति नगर जिला पिथौरागढ़ 128 पी सी-डॉट	-वही-

डाक सेवाओं में आधुनिक प्रौद्योगिकी

2644. **श्री आस मोहम्मद:**
चौधरी हरमोहन सिंह:

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारत में डाक सेवाओं में आधुनिक तकनीकी का कम प्रयोग हो रहा है जबकि समूचे विश्व में आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल किया जा रहा है?

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ग) डाक सेवाओं में आधुनिक और नवीनतम प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम): (क) से (ग) डाक विभाग, डाक सेवाएं प्रदान करने में आधुनिक तकनीक अपनाने की नीति का निरंतर अनुसरण कर रहा है। मेल प्रोसेसिंग और वितरण में सुधार के साथ-साथ काउंटर सेवाएं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, डाक नेटवर्क के नियमित विस्तार, उपयुक्त परिवहन प्रणालियां अपनाकर, कार्यविधि को युक्तिसंगत बनाकर और बेहतर प्रबंध के जरिए प्रदान की जाती हैं। जिन स्थानों में डाक परियात का बहुत अधिक संकेन्द्रण है, वहां विभाग निम्नलिखित कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा का आधुनिकीकरण करने की नीति कार्यान्वित कर रहा है:—

कम्प्यूटर आधारित आधुनिक प्रौद्योगिकी की शुरूआत करके कार्यकुशल त्वरित और उत्तरदायी काउंटर सेवा प्रदान करना, यांत्रिक उपकरणों का उपयोग, कार्यविधि को युक्तिसंगत बनाना तथा उपभोक्ताओं की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई मूल्य वर्धित सेवाओं की शुरूआत। कर्मचारियों की संतुष्टि में वृद्धि तथा कार्य एवं शर्तों के अध्ययन से कार्यकुशलता बढ़ाना व कार्यस्थल का स्वच्छ एवं आत्मीय माहौल बनाकर ग्राहकों को अधिक सुविधा प्रदान करना।

वर्ष 1991-92 से डाकघर काउंटरों पर चरणबद्ध ढंग से कम्प्यूटर आधारित काउंटर मशीनें लगाना शुरू किया गया। और इस समय देश के 1000 से अधिक विभिन्न काउंटरों पर ऐसी मशीनें लगाई जा चुकी हैं। उत्कृष्टता पाकेट (पॉकेट ऑफ एक्सीलेंस) बनाने के लिए कम्प्यूटरीकरण के माध्यम से चुने हुए महत्वपूर्ण डाकघरों का पूरी तरह आधुनिकीकरण करने के कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। ये पाकेट्स आधुनिकीकरण के लिए मॉडल का काम करेंगे। अप्रैल, 1993 में बंबई में प्रथम ऑटोमैटिक मेल प्रोसेसिंग सेंटर की स्थापना के साथ ही मेल प्रोसेसिंग के क्षेत्र में अत्यन्त विकसित टेक्नालॉजी की शुरूआत की गई है। ऐसी और मेल प्रोसेसिंग प्रणालियां देश के महत्वपूर्ण डाक संकेन्द्रण केन्द्रों में लगाने की योजना बनाई गई है।

सेटेलाइट चैनल के माध्यम से मनीआर्डर के त्वरित परेषण के लिए एक प्रायोगिक योजना कार्यान्वयनाधीन है।

बचत बैंक और डाक जीवन बीमा कार्यों के लिए कम्प्यूटरीकरण की शुरुआत की गई है जिसमें इन सभी सेवाओं में कस्टमर इंटरफेस के मॉडर्नाइजेशन पर जोर दिया गया है।

कॉरपोरेट सेक्टर के लिए, धनराशि के त्वरित अंतरण की सुविधा प्रदान करने के प्रयोजन से कॉरपोरेट मनीआर्डर सेवा को अंतिम रूप दे दिया गया है। विशिष्ट व्यावसायिक संगठनों को प्रणालीबद्ध सेवा प्रदान करने वाली यह योजना, देश में विभिन्न स्थानों पर धनराशि शीघ्रता से भेजने की व्यापारी वर्ग की अपेक्षाओं को पूरा करेगी।

स्पीड पोस्ट सेवा में प्रचालन कार्य की कुशलता को बढ़ाने के लिए कम्प्यूटर आधारित टेक्नालॉजी की